एमएसओ

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जुलाई 2018 एवं जनवरी 2019 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

मूल पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य

एमएसओई 001	:	शिक्षा का समाजशास्त्र
एमएसओई 002	:	प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
एमएसओई 003	:	धर्म का समाजशास्त्र
एमएसओई 004	:	नगरीय समाजशास्त्र
एमपीएस 003	:	भारत : लोकतंत्र और विकास
एमपीए 016	:	विकेंद्रीकरण एवं स्थानीय शासन

सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

सत्रीय कार्य

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई-001, 002, 003, 004, एमपीएस-003, एमपीए-016
सत्रीय कार्य कोड : टीएमए/2018-19

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र में स्नातकात्तेर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) के सदंर्भ में कायर्क्रम दर्शिका में हमने बताया है कि समाजशास्त्र के प्रत्येक पाठयक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य टीएमए पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में आपको 100 अंकों के प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय–सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	जमा कराने की तारीख	किसे भेजें
जुलाई 2018 सत्र	31 मार्च 2019	संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक।
जनवरी 2019 सत्र	30 सितम्बर 2019	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें । मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्य वापिस लौटाएगा।

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) के संदर्भ में कार्यक्रम दर्शिका में हमने बताया है कि समाजशास्त्र के प्रत्येक पाठयक्रम के लिए आपको एक अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य टीएमए पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यों में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं सशक्त ढंग से लिख सकते हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागों में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है। प्रत्येक सत्रीय कार्य में आपको 100 अंकों के प्रश्नों के उत्तर देने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। अगर 10 अंक वाला लघु प्रश्न हो तो उसका उत्तर 250 शब्दों में दें। हमारा

परामर्श है कि इन सत्रीय कार्य के प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय सूची के अनुसार भेज दें:

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र सत्रीय कार्य वापिस लौटाएगा।

सत्रीय कार्य से जुड़ी उपयोगी बातें

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा।

1 **नियोजन** : सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढें। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान केंद्रित करें और फिर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **संगठन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के लिए पक्का उत्तर लिखें उत्तर साफ साफ लिखें और जरूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में हो। शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
समाजशास्त्र विभाग
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली.110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई-001 : शिक्षा का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई-001
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-001/सत्रीय कार्य/टीएमए/2018-19

कुल अंक : 100

अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग I

इस भाग से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. शिक्षा राष्ट्र–निर्माण की प्रक्रिया में किस तरीके से योगदान देती है? भारत से उदाहरण देते हुए वर्णन कीजिए। 20

2. ईवान इल्लिच के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए समाज में स्कूलों की भूमिका की चर्चा कीजिए। 20

3. शिक्षा, सामाजिक गतिशीलता को कैसे सुगम बनाती है, वर्णन कीजिए। 20

4. शिक्षा का प्रयोग सामाजिक और मानव विकास के एक साधन के रूप में करने में अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों द्वारा उठाए गए नवीन कदमों की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

5. शिक्षा पर दुर्खिम और पार्सन्स के विचारों की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

भाग II

इस भाग से किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

6. वृत्तिक शिक्षा में निजी क्षेत्र की सहभागिता की आवश्यकता की आलोचनात्मक जाँच कीजिए। 20

7. 'मुक्त शिक्षा और दूर अध्ययन' शिक्षा को लोकतांत्रिक कैसे बनाती है? आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

8. उच्च शिक्षा पर वैश्वीकरण एवं मुक्त बाज़ार अर्थव्यवस्था के प्रभाव की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

9. 'गैर–औपचारिक शिक्षा' क्या है? भारत में गैर–औपचारिक शिक्षा को सुदृढ़ बनाने की मुख्य रणनीतियों का वर्णन कीजिए। 20

10. भारत में उच्च शिक्षा की राह की प्रमुख चुनौतियों की चर्चा कीजिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई-002 : प्रवासी और पराराष्ट्रीय समुदाय
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई-002
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-002/सत्रीय कार्य/टीएमए/2018-19

कुल अंक : 100

अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम *दो* प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग I

1. डायस्पोरा शब्द से आप क्या समझते हैं? डायस्पोरा को समझने के दृष्टिकोण कौन से हैं? 20

2. औपनिवेशिक भारत में भारतीय डायस्पोरा के प्रवसन–पैटर्नों का वर्णन कीजिए। 20

3. दक्षिण पूर्व एशिया में भारतीय डायस्पोरा की प्रकृति का वर्णन कीजिए। 20

4. पश्चिम यूरोप में भारतीय डायस्पोरा की रूपरेखा पर प्रकाश डालिए। 20

भाग II

5. इंडियन ओवरसीस के प्रति भारतीय राज्य नीतियों पर एक नोट लिखिए। 20

6. सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकियाँ (आईसीटी) देश–विदेश की आपसी कड़ियों एवं संबंधों में कितनी कारगर सिद्ध हुई हैं? उचित उदाहरण देते हुए समझाइए। 20

7. भारतीय डायस्पोरा समुदायों के लिए हिन्दी फिल्म के महत्व की जाँच कीजिए। 20

8. वैश्वीकरण और पराराष्ट्रवाद के बीच के संबंध पर प्रकाश डालिए। 20

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई-003 : धर्म का समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई-003
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-003/सत्रीय कार्य/टीएमए/2018-19

कुल अंक : 100

अधिभारिता : 30%

भाग I और II से 100 अंक तक के किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर अवश्य दीजिए।

भाग I

इस भाग से किन्ही *दो* प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. 'संकेत' से क्या अभिप्राय है? बताइए कि धर्म, संकेतों का ताना–बाना कैसे है? 20

2. एमिल दुर्खिम के लेखन को ध्यान में रखते हुए धर्म को समझने में प्रकार्यवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए। 20

3. धर्म की आलोचनात्मक चर्चा, मार्क्सवादी दृष्टिकोण से कीजिए। 20

4. समाज में व्याप्त मिथकों की भूमिका का वर्णन कीजिए। 20

5. मैक्स वेबर के दृष्टिकोण से धर्म और अर्थव्यवस्था के संबंध का वर्णन कीजिए। 20

भाग II

इस भाग से किन्ही *दो* प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

6. 'टोटमवाद' क्या है? लेवी–स्ट्रॉस, सामाजिक वास्तविकता को समझने में टोटमवाद का प्रयोग कैसे करते हैं? 20

7. 'धर्मनिपेक्षीकरण' क्या है? धर्मनिरपेक्षीकरण आधारित यूरोपियाई अनुभव का वर्णन कीजिए। 20

8. पीटर बर्जर का धर्म के अध्ययन में क्या योगदान है? चर्चा कीजिए। 20

9. धर्म परिवर्तन के बाह्य मॉडल का वर्णन कीजिए। 20

10. संक्षेप में नोट लिखिए : 20

    (i) सांप्रदायवाद

    (ii) नव युग पूजा प्रथाएं

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
एमएसओई-004 : नगरीय समाजशास्त्र
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कार्यक्रम कोड : एमएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओई-004
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओई-004/सत्रीय कार्य/टीएमए/2018-19

कुल अंक : 100

अधिभारिता : 30%

निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों का उत्तर (प्रत्येक) लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

1. वैश्विक दृष्टि से और विशेष रूप से भारत में नगरीय समाजशास्त्र की उत्पत्ति एवं वृद्धि का वर्णन कीजिए। 20

2. नगर की संकल्पना की परिभाषा दीजिए और भारत में महानगरों की वृद्धि एवं स्वरूप की चर्चा कीजिए। 20

3. शिकागो (विचारधारा) के सिद्धांतवादियों द्वारा प्रस्तुत नगरीय वृद्धि को समझने में पारिस्थितिकीय दृष्टिकोण की आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

4. भारतीय इतिहास के प्राचीन और मध्यकालीन दौर में नगरीय वृद्धि एवं प्रकृति की चर्चा कीजिए। 20

5. भारत में परिवार की संस्था पर नगरीकरण के प्रभाव की चर्चा, उदाहरण देते हुए कीजिए। 20

6. भारत में अर्थव्यवस्था का अनौपचारिक क्षेत्र, नगरीय क्षेत्रों में एक महत्वपूर्ण भूमिका कैसे निभाता है? आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

7. क्या भारत में निर्धनता का पर्यावरण को बदतर बनाने से सरोकार है? उचित उदाहरण देते हुए आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

8. क्या भारतीय नगरों में स्लम तेजी से बढ़ रहे हैं? क्या इनकी तादाद को घटाना या इनका पुनर्वास संभव है? 20

9. नगरीय नियोजन से आप क्या समझते हैं? नगरीय वृद्धि में, यह कैसे सहायक है? 20

10. क्या मीडिया, प्रभावी नगरीय शासन में योगदान दे सकता है? आलोचनात्मक चर्चा कीजिए। 20

आप इस रिपोर्ट को साहित्य की समीक्षा या प्राथमिक स्रोतों से संग्रहित आँकड़ों के आधार पर लिख सकते हैं।

साहित्य की समीक्षा के लिए आपको, अपनी पसंद के चयनित विषय पर हाल ही में प्रकाशित दो पुस्तकों या चार शोध लेखों का चयन करना होगा। अध्ययन की अवस्थिति और इन अध्ययनों में प्रयुक्त प्रविधि और इन अध्ययनों के मुख्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए समीक्षा लेख लिखिए। प्राथमिक स्रोत के लिए आपको दो केस अध्ययनों को एकत्र करना होगा और चयनित विषयवस्तु पर रिपोर्ट, तुलनात्मक ढाँचें में लिखें। रिपोर्ट लेखन के दौरान अध्ययन के उद्देश्यों और सम्मुख आने वाली समस्याओं को स्पष्ट रूप से व्यक्त करें और

- मुद्दें को वर्तमान/उपलब्ध साहित्य के दायरे में समस्या के रूप में अभिव्यक्त करें;
- अपने प्रेक्षणों, निष्कर्षों एवं परिणामों को संसक्त रूप से व्यक्त करें, और
- उचित संदर्भ (बिंदुओं) का उल्लेख अंत में करें।

एमपीएस–003 : भारत : लोकतंत्र एवं विकास
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोडः एमपीएस-003
सत्रीय कार्य कोड : एएसएसटी/टीएमए/2018-2019
पूर्णांकः 100

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

भाग – I

1. स्वराज पर गांधीवादी दृष्टिकोण और भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में उसके प्रभावों का विश्लेषण कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) जन–हित याचिकाओं का महत्व
   ख) सुशासन के रूप में लोकतंत्र

3. 73वें और 74वें संवैधानिक संशोधनों के मुख्य प्रावधानों की चर्चा कीजिए और उनकी क्या सीमायें हैं?

4. जातीयता की अभिव्यक्ति (manifestation of ethinicity) के विभिन्न स्वरूपों पर चर्चा कीजिए।

5. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) भारतीय राजनीति को अधिक लोकतोत्रिक बनाने हेतु नये राजनीतिक दलों का उद्भव
   ख) सामाजिक असमानता राजनीतिक प्रणाली और विकास नीतियों को प्रभावित करती है

भाग – II

6. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) भारतीय लोकतंत्र में गैर–सरकारी संगठनों की भूमिका
   ख) विकास में महिला (WID) दृष्टिकोण

7. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) सतत् विकास
   ख) आंतरिक अन्तरण एक उत्पादक अर्थव्यवस्था की दिशा में योगदान देता है

8. भारत में कामगार वर्ग पर नई आर्थिक नीति के प्रभाव का परीक्षण कीजिए।

9. निम्नलिखित प्रत्येक पर लगभग 250 शब्दों में टिप्पणी कीजिएः
   क) भारत में धार्मिक राजनीति
   ख) मौलिक लोकतंत्र

10. लोकतन्त्र और विकास एक–दूसरे से संबंधित है? व्याख्या कीजिए।

एम.पी.ए.–16 : विकेन्द्रीकरण तथा स्थानीय शासन
सत्रीय कार्य
(अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य)

पाठ्यक्रम कोड : एम.पी.ए.–16
सत्रीय कार्य कोड : एम.पी.ए.–16/टी.एम.ए./2018-19
पूर्णांक : 100

इस सत्रीय कार्य में भाग–I और भाग–II हैं। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न हैं। आपको कुल पाँच प्रश्न करने हैं, किंतु प्रत्येक भाग में से कम से कम दो प्रश्न अवश्य कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग–I

1. भारत में लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण के संवैधानिक आयामों की चर्चा कीजिए।
2. समकालीन परिदृश्य में सभी स्तरों पर समन्वयं के महत्त्व को उजागर करते हुए प्रशासनिक विकेंद्रीकरण की व्याख्या कीजिए।
3. विकेंद्रीकरण के राजनीतिक–प्रशासनिक घटकों को उजागर कीजिए तथा उन्हें दृढ़ बनाने के उपाय सुझाइये।
4. स्थानीय प्राधिकरणों के बीच भागीदारी तथा दूरसंचार क्षेत्र में विशेष प्रयोजन एजेंसियों का परीक्षण कीजिए।
5. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लगभग 250 शब्दों में लिखें :
   क) लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण का महत्त्व
   ख) सामाजिक परिवर्तन में पंजायती राज संस्थाओं की उपकरण के रूप में भूमिका

भाग–II

6. अंतर–स्थानीय सरकारी संबंधों पर एक टिप्पणी लिखिये।
7. विकास आयोजन में मूलभूत आवश्यकताएँ क्या हैं?
8. 'नगर पालिकाएँ स्थानीय स्वशासन की एक प्रभावशाली संस्था के रूप में कार्य कर रही हैं'। परीक्षण कीजिए।
9. स्थानीय निकायों के संसाधनों का विवरण कीजिए तथा राज्य वित्त आयोग की भूमिका को उजागर कीजिए।
10. सतत् विकास को परिभाषित कीजिए तथा उसकी मुख्य चुनौतियों का विस्तृत वर्णन कीजिए।